भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4043

17 03.2026.को उत्तर के लिए नियत

कोलकाता में मुख्यालय वाले केंद्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यम

4043. श्री जगन्नाथ सरकार:

श्री कुंदुरु रघुवीर:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोलकाता में मुख्यालय वाले केंद्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की सूची सहित गत पांच वर्षों के दौरान उक्त उद्यमों की लाभप्रदता, राजस्व और कर्मचारियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में कोलकाता में घाटे में चल रहे सीपीएसई की संख्या, उनके वित्तीय कार्यनिष्पादन के कारणों और उनकी लाभप्रदता में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदम, यदि कोई हैं, का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा आधुनिकीकरण और डिजिटल परिवर्तन पहलों सहित कोलकाता में मुख्यालय वाले सीपीएसई की दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु लागू किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की कोलकाता में मुख्यालय वाले किसी भी सीपीएसई के पुनर्गठन या विनिवेश की योजना है और उक्त उद्यमों के कर्मचारियों तथा संचालन पर इसके संभावित प्रभाव का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन कार्यरत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यम (सीपीएसई) नामतः एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड (एवाईसीएल), ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (बीएंडआर) और ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप

कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) का मुख्यालय कोलकाता में स्थित है। पिछले पाँच वर्षों में इन सीपीएसई की लाभप्रदता, राजस्व और कर्मचारियों की संख्या से संबंधित विवरण अनुलग्नक में दिए गए हैं।

(ख) और (ग): इन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यमों (सीपीएसई) में से एवाईसीएल को अपनी चाय डिवीजन में नुकसान हुआ है और वर्ष 2023 से यह गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है जिसका मुख्य कारण चाय के बागानों पर कीट (लूपर कैटरपिलर) और फफूंद (फ्यूजेरियम**)** का हमला, प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियाँ, अनियमित वर्षा तथा चाय की बिक्री से कम आमदनी होना है।इस तत्काल वित्तीय संकट से उबरने के लिए, सरकार ने एवाईसीएल को आंतरिक संसाधन जुटाने हेतु, अपनी सहयोगी कंपनी में 6% हिस्सेदारी बेचने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

(घ): भारी उद्योग मंत्रालय में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ङ): प्रश्न ही नहीं उठता।

*****

अनुलग्नक

"कोलकाता में मुख्यालय वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई)" के संबंध में दिनांक 17.03.2026 को लोकसभा में उत्तर के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या 4043 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक-I

पिछले पांच वर्षों में भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आने वाली सीपीएसई, जिनका मुख्यालय कोलकाता में है, की लाभप्रदता, राजस्व और कर्मचारियों की संख्या से संबंधित विवरण:

सीपीएसई का नाम	विवरण	वित्त वर्ष 20-21	वित्त वर्ष 21-22	वित्त वर्ष 22-23	वित्त वर्ष 23-24	वित्त वर्ष 24-25
एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड (एवाईसीएल)	राजस्व (करोड़ रुपये में)	330.51	414.39	374.00	310.00	312.00
	कर पश्चात लाभ (करोड़ रुपये में)	21.19	(-) 0.90	1.17	(-) 64.22	(-) 25.53
	कर्मचारियों की संख्या	14565	14387	14254	14169	13959
ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (बी एंड आर)	राजस्व (करोड़ रुपये में)	2708.84	3214.65	3328.35	4014.28	4532.03
	कर पश्चात लाभ	7.80	21.28	40.90	74.92	102.37
	कर्मचारियों की संख्या	1131	1089	1028	963	880
ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे)	राजस्व	103.61	141.84	308.23	260.75	195.78
	कर पश्चात लाभ (करोड़ रुपये में)	11.68	3.15	8.86	20.63	30.6
	कर्मचारियों की संख्या	82	78	72	69	60

***